डा0 टी.एम. भसीन, सतर्कता आयुक्त का प्रोफाइल

डा0 टी.एम. भसीन को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा डा0 भसीन के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि अर्थात दिनांक 11 जून, 2015 से चार वर्षों की अवधि के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग में सतर्कता आयुक्त नियुक्त किया गया है ।

डा0 भसीन ने दिल्ली विश्वविद्यालय से एल.एल.बी., एम.बी.ए. (वित्त) किया है, सी.ए.आई.आई.बी. किया है तथा एम.एस.सी. में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है । इन्होंने जे.एफ.के. स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, हावर्ड विश्वविद्यालय, यू.एस. से एडवांस्ड फाइनैंशियल मैनेजमेंट प्रोग्राम किया है । डा0 टी.एम. भसीन ने भारतीय बैंक संघ की सी.एच. भाभा अनुसंधान छात्रवृत्ति (1999-2000) के अंतर्गत अनुसंधान किया है तथा उनके शोध को "ई कामर्स इन इंडियन बैंकिंग" पर एक पुस्तक के रूप में आथर्स प्रेस, दिल्ली द्वारा वर्ष 2002 में प्रकाशित किया गया था ।

मद्रास विश्वविद्यालय ने श्री तेजेन्द्र मोहन भसीन के 4 वर्षों के अनुसन्धान तथा "इंपेक्ट ऑफ बैंकिंग ऑन फाइनेंशियल एक्सक्लूशन, फाइनेंशियल इन्क्लूशन एंड इन्क्लूसिव ग्रोथ इन रूरल इंडिया" विषय पर मद्रास विश्वविद्यालय को प्रस्तुत शोध के आधार पर अप्रैल, 2016 में इन्हें "बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन" में "डाक्टर ऑफ फिलॉसफी" की डिग्री प्रदान की ।

डा0 भसीन ने जून 1978 में ओरियंटल बैंक ऑफ कामर्स में परिवीक्षा अधिकारी के पद पर सेवा आरंभ की तथा सितम्बर, 2003 में महाप्रबंधक के स्तर पर पहुँचे । भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की गई कड़ी चयन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप दिनांक 7 नवंबर, 2007 को डा0 भसीन का यूनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया में कार्यकारी निदेशक के पद पर चयन तथा नियुक्ति हुई । डा0 भसीन 01 अप्रैल, 2010 को इंडियन बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त हुए ।

डा0 भसीन का बैंकिंग, वित्त, विधि, सतर्कता तथा अन्वेषण के क्षेत्रों में 37 वर्षों से अधिक का उत्कृष्ट बेदाग तथा त्रुटिहीन व्यवसायिक सेवा रिकार्ड है । वे सदैव प्रथम स्थान पर रहकर एक राष्ट्रीय मेधा छात्र रहे हैं तथा "क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस" के एक वर्षीय कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वोत्तम रहे हैं ।

इंडियन बैंक में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के अपने कार्यकाल के दौरान डा0 भसीन ने बैंकिंग तथा वित्त के क्षेत्रों में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर के अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए, जो निम्न हैं :

- वित्तीय वर्ष 2012 में लघु उद्योगों को ऋण देने में श्रेष्ठता के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति से 4 अप्रैल, 2013 को राष्ट्रीय पुरस्कार ।

- वित्तीय वर्ष 2013 के लिए बैंकों को राष्ट्रीय पुरस्कार-लघु उद्योगों को ऋण देने में श्रेष्ठता के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री से 1 मार्च, 2014 को प्रथम पुरस्कार ।
- भारत के माननीय राष्ट्रपति से दक्षिण क्षेत्र टी.ओ.एल.आई.सी. के लिए 2012-13 का इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार ।
- एस.एच.जी. को ऋण देने के लिए तमिलनाडू के माननीय मुख्यमंत्री से 24 फरवरी, 2014 को लगातार पांचवे वर्ष प्रथम पुरस्कार तथा सर्वोत्तम बैंक पुरस्कार ।

डा0 टी.एम. भसीन इन महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे हैं-अध्यक्ष, भारतीय बैंक संघ; अध्यक्ष (शासी बोर्ड), इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन, अध्यक्ष, इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस; अध्यक्ष, स्वीफ्ट यूजर ग्रुप इंडिया, निदेशक, नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कं0 लि0 तथा सदस्य, राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग बोर्ड । श्री टी.एम. भसीन ने युनाईटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बोर्ड में भी निदेशक के रूप में 31 मार्च, 2015 तक लगभग पांच वर्षों तक कार्य किया ।